SM – 152

IV Semester B.A. Examination, May/June 2018
(CBCS) (2016 – 17 & Onwards) (F + R)
HINDI LANGUAGE – IV
Hindi Upanyas Film Review and Translation

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या **एक** वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) सुषमा को लेने नील किस रेल्वे स्टेशन गया ?

2) सुषमा कालेज के किस एसोसिएशन की प्रेसिडेंट थी ?

3) सुषमा की साडी किसने कढ़वाई थी ?

4) होस्टल के चौकीदार का क्या नाम था ?

5) ''पचपन खंभे लाल दिवारें '' उपन्यास के रचनाकार का नाम लिखिए।

6) प्रिंसिपल सुषमा को क्या बना ना चाहती थी ?

7) मिस शास्त्री कौन – सा विषय पढ़ाती थी ?

8) मिल फर्म की ओर से कहाँ जा रहा था ?

9) सुषमा का परिवार कहाँ रहता था ?

10) मीनाक्षी की शादी किससे तय हुई ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(2×7=14)**

1) ''अब तो उसके चारों ओर दीवारें खिंच गई थी, दायित्व की कुंठाओं की, अपने पद की गरिमा और परिवार की।

2) '' तुम एक जिम्मेदारी के पद पर हो, तुम्हे अपनी छात्राओं के सम्मुख एक उदाहरण प्रस्तुत करना है।''

3) ''मैं नहीं चाहती कि जो कुछ मैंने देखा और सहा, वही मेरे भाई-बहनों के सामने आए।''

P.T.O.

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : (1×16=16)

1) ''पचपन खंभे लाल दिवारें'' उपन्यास का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) ''पचपन खंभे लाल दिवारें'' उपन्यास के अधार पर नील का ''चरित्र - चित्रण'' कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×5=10)

1) सुषमा

2) मीनाक्षी

3) निरूपमा

V. 1) फिल्म '' भाग मिल्का भाग'' के पात्रों के अभिनय कर समीक्षा कीजिए।: (1×10=10)

अथवा

2) फिल्म ''थ्री इडियट'' सिनेमा की पट कथा की समीक्षा कीजिए।

VI. **हिन्दी** में अनुवद कीजिए। : 10

At the time of being hanged to death Veerapandy Kattabomman Said – "I am not afraid of death; I have no repentance also. I am sacrificing my life for my country", Country is everything for me. It is my sacred duty so sacrifice my life for the country, but I am pained at one point. I am away from my motherland. If I would be in my place protecting the fort and if I had to die protecting the fort I would have left this world happily, but I didn't help my motherland at the time of difficulty and I am away from it. For that now I am repenting."

ಮರಣದಂಡನೆಗೆ ಬಲಿಯಾಗುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ವೀರ ಪಾಂಡ್ಯ ಕಟ್ಟಬೊಮ್ಮನ್ ಹೇಳಿದನು – ''ನನಗೆ ಸಾವಿನ ಭಯವಿಲ್ಲ; ಪಶ್ಚಾತಾಪವೂ ಇಲ್ಲ. ನಾನು ನನ್ನ ದೇಶಕ್ಕಾಗಿ ಸಾಯುತ್ತಿದ್ದೇನೆ; ದೇಶವೇ ನನ್ನ ಸರ್ವಸ್ವ. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ನ್ನ ಪ್ರಾಣವನ್ನು ಬಲಿಕೊಡುವುದು ನನ್ನ ಪವಿತ್ರ ಕರ್ತವ್ಯ, ಆದರೆ ಒಂದೇ ಒಂದು ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ದುಃಖವಿದೆ, ನಾನು ನನ್ನ ತಾಯ್ನಾಡನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿದ್ದೇನೆ. ನಾನು ನನ್ನ ಊರಿನಲ್ಲಿದ್ದು ನನ್ನ ಕೋಟೆಯನ್ನು ಕಾಪಾಡುತ್ತಾ ಕೊನೆಯವರೆಗೂ ಕಾದಾಡಿಕೊಂಡೇ ಸತ್ತಿದ್ದರೆ ಬಳ ಸಂತೋಷದಿಂದ ಈ ಲೋಕವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಟು ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದೆ. ಆದರೆ ಕಷ್ಟಕಾಲದಲ್ಲಿ ನನ್ನ ದೇಶಕ್ಕೆ ಸಹಾಯಮಾಡದೆ ಬಂದುಬಿಟ್ಟೆ. ಈಗ ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದೇನೆ.